समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

रोहित शर्मा की कप्तानी से हटाए जाने के पीछे 12 साल पुराना एंगल : अभिषेक नायर और अजीत अगरकर का खेल

Publisher

Published on 10 Oct 2025

भारतीय क्रिकेट टीम में हाल ही में हुए एक बड़े बदलाव ने पूरे देश के क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया है। अनुभवी बल्लेबाज **रोहित शर्मा** को वनडे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। यह फैसला मुख्य चयनकर्ता **अजीत अगरकर** ने लिया है, जो भारतीय टीम में खिलाड़ियों की चयन और कप्तानी के निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं।

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं और उनके नेतृत्व में युवा खिलाड़ियों को अवसर भी मिला। बावजूद इसके, कप्तानी से हटाए जाने का निर्णय चयन समिति की नई रणनीति और टीम में संतुलन बनाए रखने की कोशिशों का हिस्सा माना जा रहा है।

हालांकि, इस फैसले के पीछे एक **12 साल पुराना एंगल** भी सामने आया है। क्रिकेट विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में अहंकार और नेतृत्व की शैली को लेकर पिछले वर्षों से चर्चा रही है। 12 साल पहले भी उन्हें कप्तान पद से हटाया गया था, और आज पुनः वही कहानी दोहराई गई। इस संदर्भ में पूर्व खिलाड़ी **अभिषेक नायर** ने कहा कि कप्तानी केवल रन बनाने का नाम नहीं है, बल्कि टीम को एक दिशा देने और खिलाड़ियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का भी महत्वपूर्ण काम है।

अभिषेक नायर के अनुसार, कप्तानी के खेल में अहंकार कभी-कभी टीम के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। रोहित शर्मा ने व्यक्तिगत प्रदर्शन में हमेशा उत्कृष्टता दिखाई है, लेकिन टीम के निर्णयों और चयन संबंधी मामलों में मतभेद कभी-कभी सामने आए हैं। यही वजह रही कि चयनकर्ताओं ने अब उनके नेतृत्व में बदलाव करने का निर्णय लिया।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, “हम हमेशा टीम के हित में निर्णय लेते हैं। रोहित शर्मा ने कप्तानी में बेहतरीन योगदान दिया है, लेकिन अब टीम के भविष्य और संतुलन के लिए नए नेतृत्व की जरूरत है। यह किसी

भी तरह से रोहित की प्रतिभा या प्रदर्शन पर प्रश्न नहीं है।"

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भारतीय क्रिकेट में नेतृत्व और कप्तानी की चुनौतियों को उजागर करता है। क्रिकेट केवल व्यक्तिगत प्रतिभा नहीं है, बल्कि सामूहिक निर्णय, टीम की रणनीति और मानसिक संतुलन का भी खेल है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने कई सफलताएं हासिल की हैं, लेकिन चयनकर्ताओं ने टीम के दीर्घकालिक हित को देखते हुए बदलाव किया।

इस घटना ने क्रिकेट जगत में कप्तानी के खेल में अहंकार और नेतृत्व की जिम्मेदारी पर नई बहस छेड़ दी है। पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के अनुसार, कप्तान को केवल प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि टीम की मानसिकता, युवा खिलाड़ियों का विकास और खेल रणनीति का संतुलन भी बनाए रखना होता है।

रोहित शर्मा को हटाने के फैसले के बाद टीम में **नए कप्तान और सहायक नेतृत्व** के विकल्पों पर चर्चा तेज हो गई है। टीम प्रबंधन ने संकेत दिए हैं कि अगले मैचों में युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा और कप्तानी की जिम्मेदारी को साझा करने पर विचार किया जाएगा।

क्रिकेट फैंस और सोशल मीडिया पर भी यह विषय छाया हुआ है। कई लोग रोहित शर्मा के समर्थन में खड़े हैं और उन्हें टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी मानते हैं। वहीं, कुछ विशेषज्ञ चयन समिति के निर्णय को टीम के दीर्घकालिक हित में सही कदम मान रहे हैं।

पूर्व क्रिकेटर और कप्तान **अभिषेक नायर** ने इस फैसले को एक सीख बताते हुए कहा, "कप्तानी में अहंकार और व्यक्तिगत निर्णय कभी-कभी टीम के लिए चुनौती बन सकते हैं। रोहित शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब समय है कि टीम के लिए नए नेतृत्व को अवसर दिया जाए। क्रिकेट में यह सामान्य प्रक्रिया है।"

इस बदलाव से टीम में नई ऊर्जा आएगी और युवा खिलाड़ियों को नेतृत्व की जिम्मेदारी का अनुभव मिलेगा। यह कदम भारतीय क्रिकेट के लिए भविष्य में मजबूत टीम और संतुलित नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.